रिपोर्ट

हिन्दी विभाग द्वारा 'रवींद्रनाथ टैगोर और नवजागरण' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

19 जनवरी, 2023 को श्यामलाल कॉलेज की हिंदी साहित्य सभा द्वारा द्वारा 'रवींद्रनाथ टैगोर और नवजागरण' विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। जर्मनी में कार्यरत उज्ज्वल भट्टाचार्य इन व्याख्यान के मुख्य वक्ता थे। अपने वक्तव्य में भट्टाचार्य ने सर्वप्रथम नवजागरण को परिभाषित करते हुए बंगाल के नवजागरण की विशेषता पर प्रकाश डाला और कहा कि बंगाल का नवजागरण नए मनुष्य के निर्माण पर केंद्रित था और मनुष्य की चेतना का उत्थान करना और उसे वैज्ञानिक, तार्किक विश्व नागरिक बनाना उसका मकसद था। टैगोर ने राममोहन राय से शुरू हुए बंगाल और भारत के नवजागरण को एक नई कांति दी, जिसका फोकस आधुनिक विश्व नागरिक के निर्माण पर था। टैगोर ने बंगाल के सांस्कृतिक जीवन के प्रत्येक हिस्से को प्रभावित किया। उज्ज्वल भट्टाचार्य ने टैगोर के जीवन के संदर्भों के माध्यम से टैगोर के चिंतन और रचनाकर्म के महत्व से विद्यार्थियों को परिचित कराया। ज्ञातव्य है कि हाल ही में उज्जव भट्टाचार्य की रवींद्रनाथ टैगोर पर एक जीवनीपरक किताब की भी रचना की है।

सबसे पहले विभागाध्यक्ष डॉ सुजाता तेवतिया ने पुष्प गुच्छ देकर उज्जवल भट्टाचार्य का स्वागत किया और विभाग में पधारने के लिए उनका धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि उज्ज्वल जी की किताब टैगोर के व्यक्तित्व और कृतित्व से हिन्दी क्षेत्र को परिचित कराती है। इस व्याख्यान में विभाग के 80 के करीब विद्यार्थी शामिल हुए। अंत मे डॉ सत्यप्रिय पांडे ने धन्यवाद ज्ञापन किया। विद्यार्थियों के लिए यह व्याख्यान काफी ज्ञानवर्धक रहा।

Figure 1 व्याख्यान के बाद विद्यार्थियों के साथ उज्ज्वल भट्टाचार्य।

हिंदी विभाग
श्यामलाल कॉलेज
एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय
विषय:रवींद्र नाथ टैगोर औ
वक्ता- उज्ज्वल भट्टाचार्य
तिथि:19 जनव
समय:11 बजे
स्थान:बोर्ड रूम